श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : सभापति जी, आदरणीय नटवर सिंह जी की और वज़ीरे आज़म साहब की तो बात हो जाया करती है , गुफ्तगू हो जाया करती हैं, परन्तु यह एक प्रेसीडेंट न बनें, इसलिए आग्रह हैं...

श्री सभापतिः यह प्रेसीडेंट नहीं बनेगा।

श्री सुरेश पचौरी : क्योंकि यह राज्य सभा के सदस्यों का भी अधिकार हैं। यह नाज़ुक मसला है इसलिए हम इससे एग्री करते हैं।

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल) : सर, हम भी एग्री करते हैं। सिर्फ यही गुज़ारिश हम प्राइम मिनिस्टर साहब से करेंगे कि अब तक हमने कश्मीर के मसले की नाज़ुकता को देखते हुए कभी सरकार का विरोध नहीं किया है, सरकार भी टाइम-टु-टाइम विरोधी पक्ष को कांफिडेंस में ले और हमें बताती रहे क्योंकि हम भी चाहते हैं कि वहां शांति कायम हो और कश्मीर विकास की ओर चले।

श्री सभापति : डा. मनमोहन सिंह।

श्री जनेश्वर मिश्र : (उत्तर प्रदेश) : सर,...

श्री सभापतिः अब नहीं।

श्री जनेश्वर मिश्र : सर, मैंने निवेदन किया था।

श्री सभापति : अभी आप ठहर जाइए। निवेदन तो आपने किया है लेकिन निवेदन कैसे अलाऊ कर देंगे, रूल्स बने हुए हैं।

श्री जनेश्वर मिश्र :सर, मैंने नाम दिया था।

श्री सभापतिः आज मैं आपका नाम लिख लेता हूं।

MATTERS RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR

Natural calamity in Assam

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, I wish to draw the attention of the Government to the severe natural calamity, the cyclone and the thunderstorm, which have led

to loss of about 33 persons, caused injury to over one thousand persons; and have led to a situation where thousands of people have been rendered homeless in Assam. The Government of Assam is going to grapple with the situation. But the resources available with the Government of Assam are extremely limited. I, therefore, urge upon the Central Government to take all possible measures to assist the affected families, assist in every possible way the Government of Assam so that it can provide relief to the affected families. Our sympathy also goes to all those families who have suffered in this cyclone.

श्री सभापति: डा.अरूण कुमार शर्मा । ज्यादा लम्बा भाषण नहीं होना चाहिए, दो मिनट में अपनी बात खत्म कर दीजिए ।

DR. ARUN KUMAR SARMA (Assam): Sir, the day before yesterday, a cyclone and a thunderstorm started in Assam. This natural calamity nas caused the death of more than 50 persons, has rendered lakhs of people homeless, and has injured more than one thousand people. Several districts of Dhubri, Lakhimpur, Dhemaji, Kamrup, Sonitpur, Nalbari, and Nowgaon, are badly affected. In the Mankasar area of Dhubri District, bordering Bangladesh, the situation is very pathetic. Here, the casualties were more than 25. In the Bihpuria area of Lakhimpur district more than 1000 houses have been destroyed because of the thunderstorms. So, I request the entire House to join me, and urge upon the Government; the Prime Minister, to send a Disaster Management Team to Assam immediately, and provide adequate relief and assistance of all sorts, including economic relief, to help the Government of Assam in their relief and rehabilitation work. Thank you very much.

SHRI DRUPAD BORGOHAIN (Assam): Sir, I associate myself with the sentiments expressed by my colleague, Dr. Arun Kumar Sarma.

प्रधानमंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : सभापति महोदया, असम के चक्रवात के बारे में जो समाचार आए हैं, वे बड़ी चिंता पैदा करते हैं । प्राकृतिक प्रकोप उस क्षेत्र में हुआ करते हैं, लेकिन अभी तक जो समाचार प्राप्त हुए हैं, उनसे लगता है कि प्रकोप भयंकर है और जन-धन की भारी हानि हुई हैं । जहां तक राहत पहुंचाने का सवाल हैं, तत्काल राहत पहुंचाने का इंतजाम किया जा रहा है । केन्द्र सरकार, असम सरकार के संपर्क में हैं और पूरी मदद के लिए तैयार हैं ।